देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 9 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...नए सिरे से तैयार

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 6 अप्रैल 2022

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 17.0° | 40243.38 | 2 पाकिस्तानी सेना ने निकाली हवा | 7 जडेजा को जिम्मेदारी निभाने देना चाहिए

दूसरे देशों की तुलना में काफी कम बढ़े दाम

पेट्रोल, डीजल और गैस के दामों में वृद्धि पर सरकार का रूख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पेट्रोल–डीजल और गैस के दामों में लगातार जारी बढ़ोतरी के खिलाफ केंद्र सरकार को घेरते हुए विपक्ष ने संसद में हंगामा किया हुआ है। इसका जवाब देते हुए लोकसभा में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी अन्य देशों में कीमतों में बढ़ोतरी का 1ध्10वां हिस्सा है। अप्रैल 2021 से 22 मार्च के बीच पेट्रोल (पेट्रोल) की कीमतों की तुलना में अमेरिका में कीमतों में 51 फीसद, कनाडा में 52 फीसद, जर्मनी में 55 फीसद, यूके में 55 फीसद, फ्रांस में 50 फीसद, स्पेन में 58 फीसद, लेकिन भारत में 5 फीसद की वृद्धि हुई है।

लोकसभा में कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने सदन से वाकआउट कर विरोध दर्ज कराया। सदन में विपक्ष ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार को घेरते हुए आसन के सामने जाकर नारेबाजी शुरू कर दी। कांग्रेस के साथ द्रमुक, वाम दलों, तृणमूल कांग्रेस आदि के सदस्यों ने मूल्य वृद्धि पर तत्काल चर्चा की मांग करने लगे। वैसे लोकसभा में महंगाई पर बजट सत्र के इस आखिरी हफ्ते में चर्चा कराए जाने पर सरकार ने हामी भर रखी है। पेट्रोल–डीजल की हर रोज बढ़ रही कीमतों को लेकर मंगलवार को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में तेल की कीमतों में इजाफा मुख्य तौर पर अंतरराष्ट्रीय वजहों के चलते हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश में तेल का भाव पांच फीसदी तक बढ़ गया है। गौरतलब है कि बीते 15 दिनों में 13 बार देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ चुकी हैं। इस बीच दोनों ईंधन 9.20 रुपये महंगे हो गए हैं। इस समय मुंबई में पेट्रोल का दाम सबसे ज्यादा है।

बीते दिनों दिया था ये आश्वासन

गौरतलब है कि बीते दिनों भी विपक्ष ने जब तेल की कीमतों को लेकर सरकार पर निशाना साधा था तो पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार का बचाव करते हुए कहा था कि ऐसा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुआ है। हालांकि, उन्होंने आश्वासन दिया कि देश की जनता को सस्ती कीमतों पर ईंधन उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

22 मार्च से लगातार आई तेजी

दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अब 104.61 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल की दरें बढ़कर 95.87 रुपये हो गई हैं। वहीं मुंबई में पेट्रोल 119.67 और डीजल 103.92 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इसके अलावा कोलकाता पेट्रोल 114.28 और डीजल 99.02 रुपये प्रति लीटर, जबकि चेन्नई में 110.11 और डीजल 100.19 रुपये प्रति लीटर हो गया है। 22 मार्च से इसमें बढ़ोतरी शुरू कर दी गई, जो धीरे–धीरे देश की आम जनता पर बोझ को बढ़ा रही है।

दूसरे देशों की कीमतें बताई

लोकसभा में चर्चा के दौरान केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी अन्य देशों में कीमतों में बढ़ोतरी का 1ध10वां हिस्सा है। अप्रैल 2021 और 22 मार्च के बीच गैसोलीन (पेट्रोल) की कीमतों में अमेरिका में 51 फीसदी, कनाडा में 52 फीसदी, जर्मनी में 55 फीसदी, ब्रिटेन में 55 फीसदी, फ्रांस में 50 फीसदी, स्पेन में 58 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है लेकिन इसकी तुलना में भारत में पांच फीसदी की वृद्धि हुई है।

मूल्य वृद्धि को राहुल ने जन धन लूट योजना बताया

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेट्रोल–डीजल और गैस की कीमतों में रोजाना वृद्धि को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए इसे प्रधानमंत्री जन धन लूट योजनाश करार दिया। राहुल ने मई 2014 के मुकाबले ईधनों के दाम में हुई भारी बढ़ोतरी से आम आदमी पर बढ़े बोझ का आंकड़ा भी साझा किया। राहुल ने बताया कि 2014 में स्कूटर और बाइक का टैंक 714 रुपये में फुल हो जाता था, मगर आज इसके लिए 1,038 रुपये देने पड़ते हैं। कार का टैंक 2,856 रुपये में भरता था और अब इसके लिए 4,152 रुपये चुकाने पड़ते हैं। ट्रैक्टर का टैंक फुल कराने के लिए तब 2,749 रुपये लगते थे और आज 4,563 रुपये देने पड़ रहे हैं। इसी तरह ट्रक का टैंक पहले जहां 11,456 रुपये में भरता था, आज इसके लिए 19,014 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

देश में बीते 24 घंटे में 795 लोगों को हुआ कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में कोरोना को लेकर मंगलवार को भी राहत की खबर है। कोरोना के मामलों में आज फिर गिरावट देखने को मिली है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 795 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले कल यानी सोमवार को कोरोना के 913 मामले सामने आए थे। देश में करीब दो साल बाद कोरोना के एक हजार से कम मामले दर्ज किए गए थे।

जंग में रूस कमजोर हुआ तो चीन का होगा अहम रोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। यूक्रेन संकट के राजनीतिक व आर्थिक प्रभाव को लेकर विपक्षी सदस्यों ने सरकार को सचेत करते हुए लोकसभा में कहा कि सरकार को इस युद्ध को खत्म कराने और शांति की बहाली में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि रूस– यूक्रेन युद्ध के बीच चीन और रूस करीब आते जा रहे हैं।

पांच साल में 600 सरकारी सोशल मीडिया अकाउंट हैक

चार पाकिस्तान से और 18 भारत से हो रहे थे संचालित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलकाता। भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में हर दिन तमाम तरह की हैकिंग होती है। हैकर्स कई बार सरकार को निशाना बनाते हैं तो कई बार आम लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। आए दिन लोगों के सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो जाते हैं। कई बार प्रधानमंत्री जैसी बड़ी हस्तियों के सोशल मीडिया अकाउंट भी हैक हो जाते हैं। जब आम आदमी हैकिंग का शिकार बनता है तो साइबर सिक्योरिटी कंपनियां लोगों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के सुझाव देती हैं, लेकिन जब सरकारी वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट पर साइबर अटैक होते हैं तो मामला थोड़ा गंभीर हो जाता है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि पिछले पांच साल में केंद्र सरकार के 600 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट हैक हुए। अनुराग ठाकुर ने सरकार के ट्विटर हैंडल और ई–मेल अकाउंट हैक होने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि 2017 से अब तक 641 ऐसे अकाउंट हैक किए जा चुके हैं। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि ब्लाक किए गए यूट्यूब चैनलों की कुल दर्शकों की संख्या 260 करोड़ से अधिक थी। उनका उपयोग फेक समाचार फैलाने के लिए किया गया था।

उन्होंने एक लिखित जवाब में में कहा कि 2017 में कुल 175 अकाउंट, 2018 में 114 अकाउंट, 2019 में 61, 2020 में 77, 2021 में 186 और इस साल अब तक 28 सरकारी सोशल मीडिया अखाउंट हैक किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जानकारी भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी–इन) द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) को उपलब्ध कराई गई थी।

दुष्प्रचार कर रहे 22 यूट्यूब चैनल्स को किया ब्लॉक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश संबंधों और सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित दुष्प्रचार फैलाने के लिए पाकिस्तान के 4 यूट्यूब समाचार चैनलों सहित 22 यूट्यूब चौनलों को ब्लॉक किया। 3 ट्विटर अकाउंट, 1 फेसबुक अकाउंट और 1 न्यूज वेबसाइट भी ब्लाक किए गए हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इसके लिए आईटी नियम, 2021 के तहत आपातकालीन शक्तियों का उपयोग किया है।

श्रीलंका में हालात हो रहे दिन पर दिन खराब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलंबो। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। राजधानी कोलंबो समेत कई शहरों में आपातकाल घोषित किया जा चुका है। इस बीच, श्रीलंका ने अपने कई देशों में दूतावासों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है।

समाचार एजेंसी एएनआइ ने बताया कि श्रीलंका ने नार्वे की राजधानी ओस्लों और इराक की राजधानी बगदाद में अपने दूतावास को बंद किया है। इसके साथ ही श्रीलंकाई सरकार ने आस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में भी अपने वाणिज्य दूतावास को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है।

श्रीलंकाई सरकार ने संसद में खोया अपना बहुमतः इससे पहले दिन में राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे के सत्तारूढ़ गठबंधन ने मंगलवार को संसद में अपना बहुमत खो दिया, जब कम से कम 41 सांसदों ने आर्थिक संकट पर बढ़ती अशांति के बीच गठबंधन से बाहर हो गए। श्रीलंका के विपक्ष ने कल राष्ट्रपति राजपक्षे के सरकार में शामिल होने के निमंत्रण को खारिज कर दिया और इसके बजाय देश में भोजन, ईंधन और दवाओं की बढ़ती कमी पर इस्तीफा देने की मांग की। आपातकाल लागू होने के बाद पहली बार श्रीलंका की संसद मंगलवार को बुलाई गई।

संकट

■आस्ट्रेलिया और इराक समेत कई देशों में बंद किए अपने दूतावास

गंभीर रूप से कर्ज में डूबा हुआ है श्रीलंकाः बता दें कि कोलंबो में संसद के बाहर सरकार और विशेष रूप से राजपक्षे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है। श्रीलंका रिकार्ड महंगाई और बिजली कटौती के साथ–साथ भोजन, ईंधन और अन्य आवश्यक चीजों की कमी का सामना कर रहा है। श्रीलंका में आवश्यक वस्तुओं के आयात के लिए सरकार के पास पैसे नहीं हैं। यह गंभीर रूप से कर्ज में डूबा हुआ है।

उत्तराखण्ड में विकराल रूप लेने लगी जंगलों की आग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में जंगलों में आग फैलती जा रही है और वन विभाग पहले की तरह ही मजबूर दिख रहा है।

आग से परेशान लोगों की भीड़ अस्पतालों में बढ़ रही है, तो अव्यवस्था का आलम यह है कि वन विभाग से पेमेंट न मिलने की वजह से वन पंचायतें भी हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं।

वन विभाग पहले की तरह ही दिख रहा मजबूर

उत्तराखंड में जंगलों की आग इस सीजन में फिर बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है। एक तरफ जंगलों की आग आबादी तक पहुंचने की घटनाएं सामने आ रही हैं, तो वहीं जंगलों के पास के इलाकों में धुआं फैल जाने से लोगों का दम फूलने लगा है। पहाड़ के कई जिलों में जंगल की आग को लेकर वन विभाग हमेशा की तरह लाचार दिख रहा है।

सतेराखाल के पास 24 घंटे तक जंगलों में भीषण आग लगी रही। यह आग सोमवार देर रात आबादी क्षेत्रों तक पहुंचने लगी, जिसके बाद ग्रामीणों ने भी मोर्चा संभाला। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।